नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

सुशासन, विकास और मजबूती के दो वर्ष

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दो वर्ष पूरे कर रहे हैं. यह सिर्फ एक राजनीतिक माइलस्टोन नहीं, बल्कि ऐसा दौर है जिसने प्रदेश की दिशा और दशा, दोनों में बदलाव की मजबूत नींव रखी जा रही है. इन दो वर्षों में जिस तीव्रता से फैसले हुए, जिस दृढ़ता से कानून-व्यवस्था पर पकड़ मजबूत की गई और जिस पारदर्शिता के साथ आर्थिक नीतियों को लागू किया गया, उसने यह साबित किया है कि इच्छाशक्ति और नीयत हो तो बदलाव असंभव नहीं. डॉ. यादव ने शासन का पहला संदेश ही यह दिया था कि कानून-व्यवस्था पर किसी तरह का समझौता नहीं होगा. इसी का नतीजा है कि पिछले दो वर्षों में माफिया, अपराध सरगनाओं और अवैध कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई हुई. बुलडोज़र भी चला और प्रशासनिक स्तर पर ऐसी जाँच-पड़ताल तेज हुई जिसने अपराध जगत की जड़ें हिला दीं. इन से दो संदेश स्पष्ट हुए- एक, अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बच नहीं पाएगा. दूसरा, आम नागरिक सुरक्षित है और राज्य उसके साथ खड़ा है. पुलिस को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन मुहैया कराए गए, ताकि वह बदलते अपराध पैटर्न का मुकाबला कर सके.

दो वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में 30 फीसदी वृद्धि यूं ही नहीं हो गई. यह संकेत है कि आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ हुई हैं, रोजगार बढ़े हैं और जन-जीवन में वास्तविक सुधार आया है. वहीं, राज्य का बजट 35 प्रतिशत बढ़ना इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था न सिर्फ स्थिर है बल्कि विस्तार के चरण में है. निवेश को आकर्षित करने के लिए जिस तरह उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार किया गया, उसमें जमीन आवंटन, औद्योगिक कॉरिडोर, नई नीतियाँ और प्रशासनिक सुगमता का बड़ा योगदान रहा है. इससे प्रदेश निवेशकों का भरोसेमंद ठिकाना बनकर उभरा है. पर्यटन, स्टार्टअप, एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुली हैं, जिनसे रोजगार और आय दोनों में वृद्धि संभव हुई. मध्य प्रदेश की रीढ़, किसान, इन दो वर्षों में सरकार के फोकस में रहा. खाद, बीज, सिंचाई, फसल बीमा और समर्थन मूल्य को लेकर जो काम हुए, उनसे कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में सकारात्मक रुझान दिखा है. कृषि विकास दर में लगातार सुधार इसका प्रमाण है.

बुनियादी ढांचे पर सरकार का बड़ा निवेश साफ दिखाई देता है. नई सड़कें, बिजली के नेटवर्क का विस्तार, जल जीवन मिशन की गति, ग्रामीण कनेक्टिविटी और शहरी सेवाओं के आधुनिकीकरण ने मध्य प्रदेश को विकास के अगले चरण के लिए तैयार किया है. बुनियादी ढांचे का यह विस्तार औद्योगिक गतिविधियों में भी नई ऊर्जा भर रहा है. डॉ. मोहन यादव के दो वर्ष यह जताते हैं कि विकास सिर्फ घोषणाओं से नहीं होता, बल्कि निरंतरता, पारदर्शिता और कठोर निर्णयों से होता है. प्रदेश आज जिस तरह 2047 की तैयारियों की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, वह स्पष्ट करता है कि नेतृत्व दूरदृष्टि रखता है और जनता उसके साथ खड़ी है. यह दो साल परिवर्तन का काल रहे हैं, ऐसा परिवर्तन जिसने मध्य प्रदेश को नए विश्वास, नई रफ्तार और नए लक्ष्य दिए हैं. यदि यही गति और यही नीयत बनी रही, तो आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश न केवल विकसित राज्यों की कतार में शामिल होगा, बल्कि राष्ट्रीय विकास का नया नेतृत्व भी करेगा. डॉ. मोहन यादव का संदेश स्पष्ट है, सुशासन इरादों से नहीं, कार्रवाई से बनता है.

एकाधिकार से लोकतंत्र पर लगता ग्रहण

इंडिगो प्रकरण और डॉ. आंबेडकर की भविष्य दृष्टि

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानें रद्द होने की घटना ने एक असुविधाजनक सत्य को फिर उजागर किया कि धीरे-धीरे और चुपचाप हमारे बाजार का संतुलन कुछ चुनिंदा हाथों में सिमटता जा रहा है. एयरपोर्ट पर रातभर फंसे यात्री, बर्बाद योजनाएं, रोते बच्चे, अपनी नौकरी या परीक्षा छूटने के डर से बेचैन लोग यह केवल एक एयरलाइन की गलती नहीं थी, यह उस संरचनात्मक खतरे का संकेत था, जिसकी ओर भारत पिछले एक दशक से बढ़ रहा है. एक ऐसा खतरा जहां उपभोक्ता के पास विकल्प घटते जाते हैं और कंपनियों के पास जवाबदेही भी.

भारत में आज इंडिगो एयरलाइंस अकेले लगभग आधी घरेलू उड़ानों पर नियंत्रण रखती है. यह स्थिति सिर्फ एक कंपनी की सफलता की कहानी नहीं है, यह उस एकाधिकार-मानसिकता की ओर इशारा भी है जहां प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाती है और बाजार शक्ति के केंद्र कुछ ही कॉरपोरेट दिग्गजों तक सिकुड़ जाते हैं. जब बाजार कुछ हाथों में केंद्रित होता है, तो सेवाओं की गुणवत्ता से लेकर कीमतों तक सब कुछ उपभोक्ता के हित से नहीं, बल्कि एकाधिकार के स्वार्थ से संचालित होने लगता है.

भारत का मध्यम वर्ग एकाधिकारवादी प्रयोगों का अनजाने में सबसे बड़ा शिकार बन चुका है. जो यात्री एयरपोर्ट पर असहाय खड़े थे, वे बस उस असुरक्षा की तस्वीर थे, जिसे भारत के पहले और सर्वाधिक दूरदर्शी अर्थशास्त्रियों में से एक बाबासाहेब आंबेडकर ने बहुत पहले चेताया था कि भारत जैसे विशाल और असमानता-ग्रस्त समाज में यदि बड़े उद्योगों पर राज्य का नियंत्रण नहीं होगा, तो निजी पूंजीपति धीरे-धीरे सोसाइटी की नसों पर कब्जा कर लेंगे. उनकी चिंता यह नहीं थी कि निजी क्षेत्र बुरा है, बल्कि यह कि अनियंत्रित निजी शक्ति अनिवार्य रूप से एकाधिकार की ओर बढ़ती है और

एकाधिकार लोकतंत्र का सबसे खतरनाक शत्रु है. आंबेडकर अर्थशास्त्र को सिर्फ 'पैसे का खेल' नहीं मानते थे. उनके लिए अर्थव्यवस्था एक नैतिक व्यवस्था थी, जहां बाजार शक्ति का संचय केवल आर्थिक समस्या न होकर राजनीतिक और सामाजिक समस्या भी बन जाता है. इसी कारण उन्होंने कहा था कि राजनीतिक लोकतंत्र तब तक टिक नहीं सकता, जब तक उसका आधार सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र पर न हो.

जब हजारों यात्री एक कंपनी की मनमानी के आगे असहाय दिखे, तो वही विरोधाभास सामने आया, जिसकी ओर आंबेडकर ने चेताया था कि भारत में राजनीतिक रूप से हम बराबरी का दावा करते हैं, लेकिन आर्थिक जीवन में कुछ ही खिलाड़ी बाकी सब पर शक्ति का प्रयोग करते हैं. यही असमानता लोकतंत्र को अंदर से खा जाती है. आज जब हम इंडिगो जैसी घटनाएं देखते हैं या डिजिटल बाजारों में कुछ कंपनियों का बढ़ता प्रभुत्व या रिटेल सेक्टर में उभरते एकाधिकार, तो आंबेडकर की वह चेतावनी और भी स्पष्ट सुनाई देती है. उन्होंने कहा था कि आधुनिक लोकतंत्र को केवल वोटों से नहीं, बल्कि आर्थिक सत्ता के विकेंद्रीकरण से सुरक्षित रखा जा सकता है. वास्तव में इंडिगो की उड़ानें रद्द होना समस्या नहीं है.

समस्या यह है कि यात्रियों के पास कहीं और जाने का विकल्प नहीं था और विकल्प का खत्म होना, वही क्षण है जब लोकतंत्र अपने सबसे गहरे अर्थ में घायल होने लगता है. इंडिगो की घटना केवल एक अनुभव नहीं, यह एक दर्पण है. इस दर्पण में हम अपने भविष्य की झलक देखते हैं. एक ऐसा भविष्य जिसमें बाजार की दशा तय करने वालों की संख्या घटती जा रही है और आम नागरिक की आवाज कमजोर पड़ती जा रही है. आंबेडकर ने हमें चेताया था कि लोकतंत्र केवल संस्थानों से नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा और सम्मान से चलता है.

यदि हम यह नहीं समझते, तो एकाधिकार का अंधेरा धीरे-धीरे उस रोशनी को निगल लेगा, जिसे स्थापित करने के लिए आंबेडकर ने पूरी जिंदगी संघर्ष किया था.

डॉ. महेंद्र जाधव
समता सैनिक दल

मध्य क्षेत्र की डायरी

खाद बिक्री में धांधली कब रुकेगी

दिलीप झा

कृषि प्रधान राज्य मध्यप्रदेश में किसानों को यूरिया खाद के लिए दर-दर भटकना और घंटों कतार में खड़े रहना पड़ा तो यह चिंता का सबब सरकार और प्रशासनिक अधिकारी के लिए होना चाहिए. जब देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश से हैं और लंबे समय तक प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे हैं तब और महत्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर खाद वितरण सुलभ तरीके से क्यों नहीं किया जा रहा है. सूत्रों का कहना है कि बिचौलियों और विक्रेताओं की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया गया. अपने अपने चहेते को खाद वितरण केन्द्र सौंपा गया है और वे किसानों को सरकारी दर पर यूरिया खाद उपलब्ध कराने में आनाकानी करते हैं और ब्लैक में धड़ल्ले से बेच रहे हैं.

सरकार के लाख दावों के बावजूद किसानों को यूरिया नहीं मिल रहा है. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि पूरे प्रदेश में यूरिया को लेकर मारामारी की स्थिति है. गत दिनों गुना में एक महिला किसान की भूखे प्यासे घंटों कतार में खड़े रहने के कारण मौत हो गई. प्रशासन ने उसे बीमारी के कारण मौत बता दिया लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि खाद वितरण में इतनी बड़ी धांधली क्यों हो रही है और हमारा सिस्टम इसे ठीक करने में असमर्थ या लाचार क्यों है? सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए ताकि किसानों के मन में यह भाव रहे कि सरकार हमारी बातों को सुनती है. पिछले दस दिनों से कई जिलों से खबरें आईं कि खाद के लिए किसान रात से कतार में खड़े हो जाते हैं लेकिन फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल रही है तो यह खाद वितरण सिस्टम पर बड़ा सवाल है. इन दिनों हमारे नेताओं में समस्या को एक सिरे से खारिज करने की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ी है. इसके कारण वे जनता को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने में विफल साबित हो रहे हैं. दरअसल, खाद वितरण में धांधली करने वालों पर बड़ी कार्रवाई नहीं होती है और इसलिए धांधली करने वाले अपनी मनमानी से बाज नहीं आते हैं.

खाद संकट के लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं इसकी जांच होनी चाहिए. क्योंकि फसल की बुआई के कुछ दिनों बाद ही किसानों को खाद की आवश्यकता होती है. सूत्र बताते हैं कि हर साल खाद वितरण में धांधली होती है और इसका समाधान कुछ नहीं होता है. कांग्रेस और भाजपा दोनों दल के नेता अपने चहेते को खाद की रैक उपलब्ध कराने में सफल हो जाते हैं और फिर यहीं से धांधली की शुरुआत होती है. ऐसे में जाहिर है पुलिस भी खाद वितरण में धांधली रोकने में असमर्थ हो जाती है क्योंकि वे जब इस मसले पर कोई कार्रवाई सुनिश्चित करने की ओर आगे बढ़ती है उन्हें राजनीतिक गलियारों से फोन आने लगते हैं कि इस मामले में सख्ती न दिखाई जाए. यूरिया की किल्लत की असली वजह इसकी कालाबाजारी है. 10 दिसंबर को अशोकनगर में यूरिया के अवैध परिवहन करने पर पुलिस अधीक्षक आदित्य सिंह के निर्देश पर दो लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है. यह ध्रुव सत्य है कि प्रदेश में भारी संख्या में यूरिया की कालाबाजारी हो रही है और इस वजह से खाद वितरण में संकट उत्पन्न हो जाता है. दरअसल यूरिया संकट उत्पन्न करने में बड़े स्तर पर षड्यंत्र चल रहा है ताकि सरकार को कठघरे में खड़ा किया जा सके. पूरे प्रदेश में खाद वितरण में धांधली करने वालों का गिरोह सक्रिय है और यह वर्षों से है. इसलिए किसानों के हित में इस तरह के नेटवर्क को ध्वस्त करना अत्यंत जरूरी है.

यह भी सच है कि यूरिया खाद वितरण की जिम्मेदारी संभाल रहे सोसायटियों के प्रबंधक भी फर्जीवाड़ा कर रहे हैं लेकिन उनपर व्यापक कार्रवाई नहीं होती है. वे खुलेआम कहते हैं कि हमारा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता. इस विश्वास के साथ कोई अपराध करता है तो जाहिर है सरकार के सिस्टम पर सवाल खड़े होंगे. विपक्ष में कांग्रेस के नेताओं ने खाद संकट को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया है लेकिन यूरिया की कालाबाजारी और किल्लत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है तो यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती है.

ट्रैफिक पुलिस चालान ही काटती रहेगी क्या?

इन दिनों भोपाल शहर में ट्रैफिक पुलिस चालान में ज्यादा व्यस्त है. जिनकी जिम्मेदारी ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनाने की है वे चालानी कार्रवाई में व्यस्त हैं क्योंकि इसमें उनकी अपनी जेब गरम हो रही है. भाड़ में जाए ट्रैफिक व्यवस्था. पब्लिक की समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है. रोशनपुरा चौराहा लालघाटी चौराहा, हमीदिया, बोर्ड ऑफिस चौराहा पर ट्रैफिक का बुरा हाल रहता है? बोर्ड ऑफिस चौराहा पर आज तक यह प्रयास नहीं किया गया कि यहां कैसे व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए. यहां पर बैटरी संचालित तिपहिया वाहन चालकों की मनमानी चलती है. चालक बेतरतीब तरीके से सड़क पर वाहन खड़े होते हैं जिसके कारण लोगों को बहुत परेशानी होती है. ट्रैफिक पुलिस के आला अधिकारियों को यह आदेश देना चाहिए कि ऑटो वाले एक कतार में अपने वाहन खड़े करें और इसका सख्ती पालन भी हो. कायदे से शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए लगाई जाए.

ट्रंप के टैरिफ वॉर से चीन बेअसर

अमेरिका के टैरिफ दबाव के बावजूद चीन का व्यापार आधिक्य (ट्रेड सरप्लस) बढ़ गया. चीन ने अपने निर्यात में विविधता लाई है तथा अपनी सौदेबाजी मजबूत करने के उद्देश्य से निर्यात या मैन्युफैक्चरिंग में तेजी व क्वालिटी ला रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास दूसरे कार्यकाल का कम समय बचा है लेकिन उनका संरक्षणवादी रवैया कायम है. वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का निर्यात बढ़ने से अमेरिका के सामने अलग-थलग पड़ने का जोखिम है. ऐसी स्थिति में या तो अमेरिका को अपना प्रोडक्शन बढ़ाना होगा या चीन को अपना घरेलू उपभोग बढ़ाना होगा. जहां तक अमेरिका की बात है, वह केवल रक्षा उत्पादन (विमान, युद्धपोत, मिसाइल अन्य शस्त्र) में ही वृद्धि कर सकता है. अन्य सामग्री के लिए वह विदेश से आयात पर निर्भर रहा है, क्योंकि अधिक वेतन देने और कार्यावधि का पालन करने की वजह से वह उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन नहीं बढ़ा सकता. चीन में उपभोक्तावाद पर पहले से नियंत्रण रहा है इसलिए वहां उपभोग बढ़ने की प्रवृति या मानसिकता ही नहीं है. ऐसी स्थिति में शेष विश्व को समायोजन करता है. चीन अपने निर्यात के लिए अमेरिका पर अवलंबित नहीं है. अमेरिका का वैश्वीकरण मॉडल केवल विकासशील देशों के लिए लाभदायक है. यह बात चीन के मॉडल के साथ नहीं है. चीन अपना घरेलू उपभोग कम करते हुए निर्यात को भरपूर बढ़ा सकता है. चीन का विश्व व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करना अमेरिका के लिए चिंता का विषय है. चीन का आयात पहले ही सीमित है जिससे व्यापार असंतुलन बढ़ता है.

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास दूसरे कार्यकाल का कम समय बचा है लेकिन उनका संरक्षणवादी रवैया कायम है. वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का निर्यात बढ़ने से अमेरिका के सामने अलग-थलग पड़ने का जोखिम है. ऐसी स्थिति में या तो अमेरिका को अपना प्रोडक्शन बढ़ाना होगा या चीन को अपना घरेलू उपभोग बढ़ाना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

कांग्रेस की धमक अब भी मजबूत बीजेपी पर सवार नेहरू का भूत

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आधुनिक भारत के निर्माता, औद्योगिक क्रांति के प्रवर्तक व देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू अपने निधन के 61 वर्ष बाद भी बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को भयभीत किए हुए हैं. वह देश की हर समस्या के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराते हैं. पुरानी संसद से लेकर नए संसद भवन तक उनके नाम की माला जपी जाती है. प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि बीजेपी को नेहरू के नाम से इतनी नफरत है तो एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर उसमें नेहरू के खिलाफ जितना भी बोलना है, एक साथ बोल डालें.'

हमने कहा, 'यह कैसे संभव है? झूठ की फैक्ट्री में बेतुके और विद्वेषपूर्ण जहरीले बयान तैयार करने में समय लगता है. बीजेपी नेता अपना पिटारा एकसाथ थोड़े ही खोलेंगे! रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार पटेल के सोमनाथ मंदिर बनवाने के जवाब में पं. नेहरू बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण करना चाहते थे. वह भूल गए कि विज्ञानवादी आधुनिक सोच रखने वाले नेहरू की धर्म या मजहब में कोई

रुचि नहीं थी. यदि राजनाथ ने नेहरू की 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' पढ़ी होती तो उनके उदार विचारों को जानते. ऐसे ही गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नेहरू ने वोट चोरी की. तब सरदार वल्लभभाई पटेल को 27 वोट और नेहरू को 2 वोट मिले थे फिर भी नेहरू प्रधानमंत्री बन गए. शाह को समझना चाहिए कि वोट चोरी में वोट बढ़ जाते हैं, कम नहीं होते. पटेल को कांग्रेस कमेटियों के ज्यादा वोट मिलने पर भी महात्मा गांधी ने पटेल को समझाया था कि नेहरू युवा हैं. दुनिया के देशों में उनका नाम है. अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर उनकी पकड़ है. इसलिए उन्हें प्रधानमंत्री बनने दो. आपका काम गृहमंत्री बनकर नेहरू को मजबूती देना है और देश की बड़ी समस्याओं को सुलझाना है. गांधी की बात पटेल ने तुरंत मान ली और फिर गृहमंत्री के रूप में उन्होंने 650 रियासतों व हैदराबाद का भारत में विलय कराया. आजादी के ढाई वर्ष बाद ही सरदार पटेल का निधन हो गया जबकि नेहरू 17 वर्षों तक प्रधानमंत्री बने रहे, यह एक रिकॉर्ड है. नेहरू, इंदिरा, राजीव के रहते जनसंघियों का सत्ता हासिल करने का सपना पूरा नहीं हो पाया था इसलिए उन्हें नेहरू का नाम करेले या नीम से भी कड़वा लगता है. नेहरू के नाम पर नकारात्मक नैरेटिव दिए बिना उन्हें खाना हजम नहीं होता.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12109

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		■	4	5	
6			■	7			■
	■	8	9		■	10	11
■	12				■	13	
14		■		■	15		
16		17	■	18		■	■
	■	19				■	20
21			■	22			

ऊपर से नीचे

1. धावा, आक्रमण, चढ़ाई, वार (उर्दू) 2. दंत, दांत (सं.) 3. सजीव, जिसमें बल या ओज हो, हिम्मतवाला 4. ताजा, नया 5. पापी, दोषी (उर्दू) 7. एक भूत योनि, शिव का एक गण, द्वारपाल 9. समतल, जिसकी सतह पर कोई उभरी हुई वस्तु न हो 11. अरब का एक प्रसिद्ध शहर 12. वह स्थान जहां से तीन ओर तीन रास्ते गए हों 14. कुल, वंश 15. चमकना, आभास होना 17. असफल, नाकामयाब (उर्दू) 18. ईश्वर, स्वामी 20. पत्ता, गिरने या

बाएं से दाएं

1. नुकसान के एवज में दिया जाने वाला धन, क्षतिपूर्ति (उर्दू) 4. गुण वाला, साकार ब्रम्ह 6. कामदेव 7. पीड़ा, व्यथा 8. गुलामी, परतंत्रता 10. 'मैं' का बहुवचन 12. रोगन फेरा हुआ एक प्रकार का टाट जिससे वर्षा या धूप से बचाव होता है 13. गद्दी, एक पकवान 14. नमक के स्वाद का 15. निर्झर, झड़ना, पहाड़ से नीचे गिरने वाला सोता 16. स्नान करना 18. सामग्री, सामान, धन, संपत्ति, माला 19. शैव संप्रदाय का तांत्रिक साधु (सं.) 21. कोमल, मुलायम 22. पितृ पक्ष, श्राद्ध

Solution 12108

ब	ब	र	■	सा	■	स	गा
हु	■	ह	ल	फ	ना	मा	■
म	हा	न	ता	■	स	न	द
त	र	स	■	म	म	ता	■
■	ना	ह	र	■	झ	■	बी
द	■	न	ग	र	■	अ	मा
वा	यु	■	■	मी	ना	का	री
त	वा	य	फ	■	क	ल	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र अथवा व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य गड़गड़ रहेगा. शासन से लाभ का योग है. वर्ष के मध्य में शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन व्यय होगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. व्यर्थ के वाद विवाद से बचें. यात्रा से कष्ट होगा. शारीरिक चिन्ता और मानसिक कष्ट होगा. पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा. शासन से लाभ का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का स्वजनों से मतभेद रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्र के कारण सहयोग प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना चाहिये. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नौकरी में परेशानी के बाद लाभ प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, मिलनसार, धार्मिक हष्टपुष्ट, स्वस्थ्य एवं निरोगी होगा. बुद्धि से तीब्र और कुशाग्र होगा. स्वतंत्र विचारधारा का होगा, 24 वर्ष के बाद भाग्योदय होगा. पिता का भक्त होगा.

मेष- यात्रा योग टालना लाभकारी है, खानपान की गड़बड़ी से स्वास्थ्य शिथिल रहेगा, मान सम्मान में वृद्धि होगी. पुराना पैसा प्राप्त होने से खुशी होगीं.

वृषभ- आज कारीबारी यात्रा लाभदायक रहेगी, धन वसूलने में सफ्लता मिलेगी, शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी, मनोविनोदपूर्ण कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

मिथुन- महत्वपूर्ण कार्य आसानी से बन सकते हैं, धर्म कर्म और आध्यात्मक में मन लगेगा, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, राजकीय क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी.

कर्क- कार्यो की अधिकता से मन खिन्न रहेगा, स्वास्थ्य शिथिल रहेगा, नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा, अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, नियमितता का ध्यान रखें.

सिंह- विवादग्रस्त मामले सामने आयेंगे, जिनका समाधान समझदारी से होगा, नियोजित कार्य सफ्ल होगा, दिनचर्या व्यवस्थिथ रहेगी. मानसिक प्रसन्नता होगी.

कन्या- व्यवसाय के प्रति सचेत रहकर कार्य करें, भाई या मित्र के कारण संबंधों में तनाव आ सकता है, पारिवारिक सुख मिलेगा, हर्ष बना रहेगा.

तुला- अधिनस्थों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य बनेगा, किसी धार्मिक अनुष्ठान करने का मन बनेगा, किसी लंबी यात्रा हेतु तैयार रहें, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें.

वृश्चिक- विरोधी पक्ष सक्रिय रहेगा, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ठीक नहीं होगी, ऐसी कोई घटना घट सकती है, जो आपके लिये हितकारी रहेगी, यश प्राप्त होगा.

धनु- बनते कार्य बिगड़ सकते हैं, परिस्थितियों का सामना करने में कामयाबी मिलेगी, रिश्तेदारी को लेकर विवाद हो सकता है, संयम से काम लेना उचित होगा.

मकर- व्यवसाय में नवीन साझेदारी प्रस्ताव सामने आयेंगे, धन लाभ होगा,संतान की चिन्ता रह सकती है, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

कुम्भ- माता को कष्ट हो सकता है, संतान के कार्यो में विशेष खर्च होगा, नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा, पारिवारिक जबावदारी रहेगी, मानसिक संतोष रहेगा.

मीन- आपके प्रयासों से सबकुछ अनुकूल रहेगा, जमकर जायजाद कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में अवरोध दूर होगा, अनावश्यक विवाद को टालना

उदयकालीन ग्रह चाल

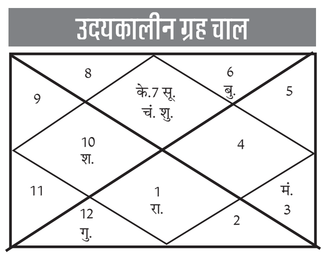

पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2082 पौष कृष्ण नवमीं शनिवासरे रात 7/39, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्रे दिन 9/31, आयुष्मान योगे दिन 3/11, तैतिल करणे सू.उ. 6/47, सू.अ. 5/13, चन्द्रचार कन्या, शु.रा. 6, 8, 9, 12, 1, 4 अ.रा. 7, 10, 11, 2, 3, 5 शुभांक- 8, 0, 5.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण नवमीं को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, कपास, वस्त्र, खली, बिनौला, सफेद रंग की वस्तुओं की तेजी होगी, बादाम, कन्या, छुहारा, इमली, के भाव में नरमी के साथ तेजी होगी, आज पिछले दिन के भाव रहेंगे. भाग्यांक 8352 है.

SUDOKU 7241

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7240

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7